सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 8 ● अंकः 11 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 11 फरवरी, 2022
मूल्य ₹ 3/-

विश्व एक व्यायामशाला है जहां हम खुद को मजबूत बनाने के लिए आते हैं।
-स्वामी विवेकानंद

कांग्रेस व सपा नहीं कर सकती... 2 | मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी... 3 | रेलिंग तोड़कर हिंडन नहर में... 7

4पीएम की गूंज राज्य सभा में भी

गंगा में बहती लाशों के नोटिस का पहुंचा मामला

» आप सांसद ने नियम 267 के तहत सदन में चर्चा कराने की उठायी मांग, कहा खतरे में लोगों की सेहत

» कोरोना की दूसरी लहर में यूपी और बिहार में संक्रमण से मृत लोगों की कई नदियों में बहायी गयी थीं लाशें

4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एनजीटी को भेजा था नोटिस, पर्यावरण संकट पर जताई थी चिंता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना काल में यूपी और बिहार में गंगा व अन्य नदियों में संक्रमण से मृत लोगों की बहायी गयी लाशों को लेकर एनजीटी की बरती गयी लापरवाही का मामला गरमाता जा रहा है। आप के राज्य सभा सांसद संजय सिंह ने नदियों में बहायी गयी लाशों से होने वाले पर्यावरण संकट पर चिंता जताते और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के एनजीटी को भेजे गए नोटिस का हवाला देते हुए सभापति को पत्र लिखा है। सांसद ने इस मामले को बेहद गंभीर बताया और इस पर सदन में तत्काल चर्चा कराने की मांग की।

आप सांसद संजय सिंह ने राज्य सभा के सभापति को भेजे पत्र में कहा कि महामारी के दौरान उत्तर प्रदेश और बिहार सरकार ने मृत देह के अंतिम संस्कार का उचित प्रबंध नहीं किया। इसके कारण लोगों ने संक्रमण से मृत लोगों की लाशों को गंगा समेत कई नदियों में बहा दिया। ऐसी स्थिति में एनजीटी की जिम्मेदारी थी कि वह इन लाशों का सही जगह पर अंतिम संस्कार न किए जाने से पर्यावरण पर होने वाले विपरीत प्रभावों को ध्यान में रखकर विशेष कदम उठाए लेकिन ऐसा नहीं किया गया। यहां तक कि 4पीएम अखबार के संपादक संजय शर्मा द्वारा इस मामले में नोटिस भेजने के बाद भी एनजीटी ने कोई कार्रवाई नहीं की। वहीं नदी के पानी का उपयोग लाखों लोग पीने के लिए करते हैं जबकि सब्जियों की सिंचाई में इन नदियों के पानी का इस्तेमाल किया जाता है। संजय सिंह ने लिखा है कि आज इस क्षेत्र के लोगों और जीव-जंतुओं का जीवन संकट में आ गया है और साथ ही कई पर्यावरणीय प्रजातियों के अस्तित्व पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। वहीं इस क्षेत्र में रहने वाले लोगों में कई तरह की बीमारियां फैलने का खतरा मंडरा रहा है। महामारी काल में जारी प्रोटोकाल का पालन नहीं किया जा रहा है। ऐसे में नियम 267 के तहत सदन के अन्य कार्यों को स्थगित कर इस गंभीरतम विषय पर चर्चा कराई जाए।

> "आप सांसद संजय सिंह ने 4पीएम के संपादक के नोटिस का दिया हवाला सभापति को लिखा पत्र"

क्या है मामला

लखनऊ। कोरोना की दूसरी लहर के दौरान श्मशान में जगह न मिलने के कारण लोगों ने शवों को गंगा और अन्य नदियों में बहा दिया था। नदी में बहते शवों को देखकर देश स्तब्ध था। इस पर 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने 24 मई 2021 को एनजीटी को सारे सबूतों के साथ नोटिस भेजा था और गंगा में बहायी जा रही लाशों पर तुरंत कार्रवाई की मांग की थी। नोटिस की कॉपी यूपी के तत्कालिक मुख्य सचिव को भी दी गयी थी। इसमें कहा गया था कि कोरोना से मृत लोगों की लाश नदी में बहाने से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है और इस पर तत्काल रोक लगे मगर नौ महीने बाद केंद्र सरकार ने संसद को बताया कि उसे इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि कितने शवों को गंगा में बहाया गया था। टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन द्वारा पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए जल शक्ति मंत्रालय ने संसद में कहा था कि कोरोना से मारे गए लोगों के शव जो गंगा में बहाए गए, उनकी संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं है। हालांकि केंद्र ने कोरोना प्रोटोकॉल के साथ शवों का उचित तरीके से अंतिम संस्कार करने के लिए राज्यों को कहा था। यही नहीं एनजीटी ने भी इस मामले पर कोई संज्ञान नहीं लिया।

भाजपा की हवा खराब, दूसरे चरण के चुनाव में हो जाएगा पूरा सफाया : अखिलेश

» जीप से किसानों को कुचलने वाला बाहर, झूठे मुकदमों में आजम खां जेल में

» रामपुर में आजम खां के पक्ष में चुनाव प्रचार करने पहुंचे सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फोटो: सुमित कुमार

रामपुर। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में दूसरे चरण का प्रचार चरम पर पहुंच चुका है। इसी कड़ी में सपा प्रमुख अखिलेश यादव आज रामपुर में चुनाव प्रचार करने पहुंचे। उन्होंने कहा कि हम नौकरी और रोजगार निकालने का काम करेंगे तब जाकर भाजपा के लोगों की गर्मी निकलेगी। उन्होंने दावा किया जिस तरह से कल वोट पड़े हैं उसके बाद 10 मार्च का परिणाम साफ हो गया है। इस बार भाजपा की हवा खराब है। भाजपा का सफाया होने जा रहा है। पहले चरण में हर वर्ग के लोगों ने भाजपा का सफाया कर दिया है। दूसरे चरण के चुनाव में भाजपा का नामोनिशान खत्म हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा अन्यायी सरकार है। झूठी सरकार है। इनके नेता झूठे हैं। बड़े नेता ने तो पहले ही छोटे नेता को पैदल कर दिया। जब छोटे नेता को गुस्सा आया तो उसने एक उप-मुख्यमंत्री को स्टूल पर बैठा दिया और ज्यादा गुस्सा आया तो घोषणा पत्र से उनकी फोटो हटा दी। स्टूल वाले उप-मुख्यमंत्री अपने समाज को कोई हक और सम्मान नहीं दिला सकते हैं। आजम खां के बिना हमारा चुनाव चल रहा है। वे झूठे मुकदमों में जेल में हैं। इनके ऊपर पेड़ चोरी, भैंस चोरी, बकरी चोरी, किताब चोरी और शराब की बोतल चुराने का मुकदमा है। उन्हें जेल में रहना पड़ रहा है। जिनको सब ने वीडियो में जीप से कुचलते देखा वो आज जेल से बाहर है। यही भाजपा का न्यू इंडिया है।

कांग्रेस व सपा नहीं कर सकती यूपी का विकास : नड्डा

» भाजपा ने किया उत्तर प्रदेश में हर तरफ विकास तो विपक्ष ने वापस लिए आतंकियों के मुकदमे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी प्रदेश में सत्ता दोहराने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। पार्टी के कद्दावर नेता यूपी चुनाव में पार्टी को जीत दिलाने के लिए जी जान से जुटे हैं। इसी क्रम में भाजपा के स्टार प्रचारक और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सीतापुर के बिसवां में कहा इस पवित्र भूमि पर भगवान राम व सीता के चरण पड़े हैं। यह वीरों की भूमि है। मैं बिसवां आकर उनको याद न करूं, यह संभव नहीं। उन्होंने कहा चुनाव का समय है, आप इस आधार पर मत करें कि इस पार्टी ने अब तक क्या किया और आगे क्या करेगी।

जेपी नड्डा ने कहा आप रिश्ता खोजने जाते हैं तो पूरी जानकारी करते हैं। पांच वर्ष की सत्ता किसी को सौंपेंगे तो पूरी तहकीकात करें। भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है जो डंके की चोट पर कहती है जो हमने कहा वह करके दिखाया। भाजपा अकेली राष्ट्रीय पार्टी रह गई है जो राष्ट्रवाद व विकास से जुड़ी है। शेष दल वंशवाद, क्षेत्रवाद, जातिवाद में सिमट कर रह

गए हैं। समाजवादी पार्टी तो एक परिवार की पार्टी बनकर रह गई है। उन्होंने बंगाल में ममता, बिहार में आरजेडी, शिवसेना, बीजू जनता दल पर परिवारवाद को लेकर निशाना साधा। नड्डा कांग्रेस पर हमलावर होते हुए बोले वो तो राष्ट्रीय पार्टी बची ही नहीं है। वह केवल भाई-बहन की पार्टी बनकर रह गई है। सपा अध्यक्ष जब मुख्यमंत्री थे तो आजम के कहने पर आतंकियों के मुकदमे वापस लिए। उनकी सरकार में 200 दंगे हुए। यह अंतर है भाजपा और सपा सरकार में। भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। क्षेत्रवादी पार्टियां जाति के आधार पर वोट मांगती हैं। भाजपा सबका साथ, सबका विश्वास वाली पार्टी है। हमारी पार्टी गरीब, दलित, पिछड़ा, वंचित महिला आदि सभी को ध्यान में रखकर काम करती है। जन धन योजना में 40 करोड़ खाते खोले गए, योजनाओं का पैसा सीधे खाते में पहुंचे, इसलिए योजना बनी।

जनता को गिनाए भाजपा सरकार के काम

प्रधानमंत्री आवास योजना की बात करें तो 1.76 करोड़ घर बनाए गए। सीतापुर में दो लाख आवास दिए गए। महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा दिया गया। 10 करोड़ गैस कनेक्शन वितरित किए गए। जेपी नड्डा ने जनता से पूछा कि पांच साल में उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदली या नहीं। कभी सोचा था कि लखनऊ में अटल मेडिकल विश्वविद्यालय बनेगा। प्रदेश में मेडिकल कालेज बनाए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश देश का पहला प्रदेश होगा, जहां पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन रहे हैं। एशिया का पहला और दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा एयरपोर्ट जेवर में बन रहा है। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे, गंगा एक्सप्रेस वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे यहां की पहचान बन गए हैं।

डिप्टी सीएम केशव, सिद्धार्थ नाथ व नंदी समेत कई विधायकों की पत्नियां जुटीं प्रचार में

» सुर्खियों में प्रयागराज मंडल की सीटें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ठंड के बावजूद प्रयागराज में सियासी गर्मी बढ़ी हुई है। मतदान का दिन जैसे-जैसे करीब आ रहा है, प्रत्याशियों का प्रचार भी जोर पकड़ता जा रहा है। प्रयागराज में 27 फरवरी को मतदान होना है। इस वजह से यहां अब तक भले ही कोई बड़ी राजनैतिक रैली, रोड शो आदि न हुए हो लेकिन प्रत्याशी जी जान से चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। सत्ताधारी पार्टी भाजपा की बात करें तो यहां प्रत्याशी के साथ उनकी पत्नियां भी चुनाव प्रचार में जुटी हुई है। प्रयागराज मंडल की तीन प्रमुख सीटें इस बार सुर्खियों में हैं। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य सिराथू से तो कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी शहर दक्षिण और सिद्धार्थ नाथ सिंह शहर पश्चिम से इस बार चुनाव मैदान में है।

पार्टी का बड़ा चेहरा होने की वजह से केशव पर संपूर्ण उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी है। इस वजह से वह अपने विधानसभा क्षेत्र में ज्यादा समय नहीं दे पा रहे हैं तो उनकी पत्नी राजकुमारी मौर्य ने सिराथू सीट की कमान संभाल ली है। पुत्र योगेश मौर्य भी पिता के प्रचार में जुटे हुए हैं। विधानसभा प्रभारी अरुण अग्रवाल बताते हैं कि राजकुमारी मौर्य डिप्टी सीएम के नामांकन के बाद से ही लगातार महिलाओं के साथ जनसंपर्क में जुटी हुई हैं। इसी तरह प्रयागराज की मेयर अभिलाषा गुप्ता भी अपने पति नंद गोपाल गुप्ता नंदी के लिए शहर की गलियों को लगातार नाप रही हैं। कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह की पत्नी डा. नीता सिंह भी पति के प्रचार अभियान को धार देने के लिए दिल्ली से प्रयागराज पहुंच चुकी हैं। फूलपुर विधायक प्रवीण पटेल की पत्नी गोल्डी पटेल जो खुद एक व्यवसायी हैं वह भी अपने काम काज छोड़ पति के चुनाव अभियान में जुटी हुई हैं। करछना से पीयूष रंजन निषाद की पत्नी शकुंतला निषाद, फाफामऊ से गुरु प्रसाद मौर्य की पत्नी कृष्णा देवी मौर्य, हंडिया से अपना दल एस के राकेश धर त्रिपाठी की पत्नी प्रमिला त्रिपाठी आदि भी पति चूल्हा चौका छोड़कर पति के लिए चुनाव प्रचार अभियान में जुटी हुई हैं। शहर उत्तरी विधायक हर्ष बाजपेयी अभी शादी शुदा नहीं है।

भाजपा सरकार में ही किसान जीप के नीचे कुचले गए : रामगोपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इटावा। सपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर करारा हमला किया। कहा कि 10 मार्च को प्रदेश की जनता भाजपा का भ्रम मिटा देगी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव को फिर से मुख्यमंत्री बनाएगी। उन्होंने इटावा सदर विधानसभा क्षेत्र से सपा प्रत्याशी सर्वेश यादव के पक्ष में बसरेहर ब्लॉक क्षेत्र में कई चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया। कहा कि सपा को भाजपा अपराधियों और गुंडों की पार्टी बता रही है। हकीकत में सबसे ज्यादा अपराधी भाजपा में हैं, जो किसानों को जीप से रौंदते हैं और बहन-बेटियों की इज्जत तार-तार करते हैं। मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री पर दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं। बसपा प्रत्याशी का नाम लिए बगैर कहा कि वह कर रहे हैं कि प्रोफेसर साहब हमारे साथ हैं। यह बात निराधार है। हम सभी अखिलेश यादव के साथ हैं। गांव उदयपुरा में मेघावृत यादव के यहां सभा में नोटबंदी को लेकर गंभीर आरोप लगाए। बुलाकीपुरा में पूर्व प्रधान राकेश यादव के यहां उनका जोरदार स्वागत किया गया।

कांग्रेस में पैदा होते ही बन जाते हैं नेता भाजपा में करनी पड़ती मेहनत : स्मृति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी कालाढूंगी विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी बंशीधर भगत के समर्थन में जनसभा को संबोधित करने पहुंचीं। स्मृति ईरानी ने कहा कि राज्य में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनने जा रही है। भाजपा में कार्यकर्ता बनने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ता है। जबकि कांग्रेस में पैदा होते ही नेता बन जाते हैं।

ईरानी ने कहा कि राज्य निर्माण के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। अटल जी ने यहां के लोगों का सम्मान करते हुए उनके इस सपने को साकार किया। जबकि कांग्रेस राज्य बनाना ही नहीं चाहती थी, लेकिन आज राहुल गांधी किस हैसियत से राज्य में वोट मांग रहे हैं। कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मंदिर बनाने की बात पर कांग्रेश भाजपा का उपहास उड़ाया करती थी, लेकिन आज भाजपा के शासन में अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनने जा रहा है। राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए स्मृति ईरानी ने कहा कि उन्होंने अपनी राजनीति चमकाने के लिए भारत तेरे टुकड़े होंगे जैसे नारे देने वालों का साथ दिया। उन्होंने कहा कि सरहद पर तैनात फौजियों के परिवार के सामने इस नारे को लगाकर दिखाएं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

गर्मी निकालने वालों ने युवाओं को किया गुमराह : प्रियंका गांधी

रामपुर में भाजपा पर बरसीं कांग्रेस महासचिव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने रामपुर शहर विधानसभा क्षेत्र में रोड शो किया तो बिलासपुर और चमरौआ विधानसभा सीट से पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जहां एक और किसान आंदोलन, नोटबंदी, जीएसटी, रोजगार और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरा तो वहीं बिलासपुर क्षेत्र के किसान नवरीत सिंह की किसान आंदोलन के दौरान हुई मौत का मुद्दा भी उठाया। प्रियंका गांधी ने बिलासपुर में प्रत्याशी संजय कपूर के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि इस सभा में कितने युवा बेरोजगार हैं, गर्मी और चर्बी निकालने वालों ने युवाओं को गुमराह किया है और रोजगार नहीं दिया। उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन के दौरान क्षेत्र के एक युवा किसान भी शहीद हुए लेकिन, कोई भाजपा नेता उनके घर शोक जताने तक नहीं पहुंचा जबकि वो खुद युवा किसान की मौत पर उनके घर पहुंचीं थीं। कहा कि अब चुनाव हैं तो कृषि कानून वापस लिए गए, लेकिन पहले कई माह तक चले किसान आंदोलन के दौरान प्रधानमंत्री कुछ किलोमीटर की दूरी तय कर किसानों के बीच नहीं पहुंचे। उन्होंने कहा कि जनता के संघर्ष और परेशानियों में कौन उनके साथ खड़ा रहा, कौन उनके लिए लड़ा, खुद तुलना करें तो कांग्रेस पहले नंबर पर होगी। इसके बाद प्रियंका गांधी चमरौआ विधानसभा क्षेत्र के नगलिया आकिल गांव पहुंचीं और कांग्रेस प्रत्याशी अली यूसुफ अली के समर्थन में एक सभा को संबोधित किया।

ससुराल में प्रियंका गांधी ने तोड़ा कानून, एफआईआर

मुरादाबाद में प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा के रोड शो में उमड़ी भीड़ को देख खुद प्रियंका और उनके प्रत्याशी जितने खुश थे वहीं प्रियंका के जाने के बाद उनकी मुश्किल बढ़ गई है। वजह यह है कि शहर विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी हाजी रिजवान कुरैशी ने प्रियंका के जनसंपर्क कार्यक्रम की अनुमति ली थी, लेकिन प्रियंका ने रोड शो निकाला। सिटी मजिस्ट्रेट एमपी सिंह ने बताया कि इसे आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए एफआईआर दर्ज की जा रही है। प्रियंका गांधी ने जन संपर्क न करके बिना अनुमति रोड शो किया। जो आचार संहिता के उल्लंघन के दायरे में आता है।

मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी की शिवपुरी सीट पर जातीय समीकरण पर सियासी दलों की नजर

» अनिल के सामने सुभासपा प्रमुख ओपी राजभर ने बेटे अरविंद को उतारा

» सपा गठबंधन और भाजपा में सीधा मुकाबला, अपनी जाति का असली नेता साबित करने में जुटे दोनों

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी की शिवपुर सीट पर सियासी दलों की नजरें टिकी हुई हैं। इस सीट से यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर विधायक हैं जिनके सामने सपा गठबंधन की ओर से सुभासपा मुखिया ओमप्रकाश राजभर ने अपने बेटे अरविंद राजभर को मैदान में उतारा है। इससे यहां का मुकाबला रोमांचक हो गया है।

2017 में ओम प्रकाश राजभर भाजपा के साथ यूपी चुनाव के मैदान में उतरे थे। उस वक्त मंत्री अनिल राजभर इस सीट से विधायक बने तो ओमप्रकाश राजभर गाजीपुर के जहूराबाद से लेकिन भाजपा का साथ छोड़कर ओपी राजभर ने अब सपा के साथ गठबंधन कर लिया है। इस दौरान जहां ओमप्रकाश राजभर खुद को राजभर जाति का असली नेता साबित करने की कोशिशों में लगे रहे तो वहीं भाजपा ने अनिल राजभर को लगातार आगे बढ़ाया। कुछ दिन पहले ओमप्रकाश राजभर ने शिवपुर सीट से लड़ने की बात कही लेकिन अपनी पार्टी के प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जब उन्होंने जारी की तो यू टर्न लेते हुए गाजीपुर की जहूराबाद सीट से ही दोबारा लड़ने का ऐलान किया जबकि बेटे अरविंद राजभर को इस सीट से मैदान में उतारकर रोमांच बरकरार रखा। अब दोनों ही नेता एक दूसरे को शिकस्त देने का दम भर रहे हैं। वहीं अन्य दल भी यहां समीकरण साधने में जुटे हुए हैं।

ये हैं जातिगत समीकरण

साल 2017 के चुनाव में मंत्री अनिल राजभर को 110453 वोट मिले थे। उन्होंने सपा के अपने प्रतिद्वंदी आनंद मोहन यादव को 54259 वोटों से शिकस्त दी थी। दूसरे नंबर पर रहने वाले सपा के आनंद मोहन को 56194 वोट जबकि तीसरे नंबर पर रहे बसपा के वीरेंद्र सिंह 46657 वोट मिले थे। इस सीट पर मोटे तौर पर यादव, राजभर, दलित और ब्राह्मण निर्णायक भूमिका में है। यहां यादव 55 हजार, दलित 45 हजार, राजभर 40 हजार, ब्राह्मण 35 हजार और मुसलमान/पटेल- 25-25 हजार, मौर्य 15 हजार हैं।

हाथरस में प्रत्याशियों के समर्थन में उतरेंगे स्टार प्रचारक

लखनऊ। हाथरस के मतदान की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है वैसे- वैसे सभी प्रमुख दलों के प्रत्याशी अपने पक्ष में चुनावी माहौल बनाने में जुट गए हैं। ऐसे में कोशिश है कि वह अपनी पार्टी के स्टार प्रचारकों को क्षेत्र में लाएं। किस स्टार प्रचारक के आने से किस क्षेत्र में कितना असर होगा इसका आंकलन भी किया जा रहा है। जिले में तीसरे चरण में 20 फरवरी को मतदान होना है। ऐसे में अगले तीन-चार दिन बाद यहां स्टार प्रचारकों का तांता लग जाएगा। भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, सांसद हेमा मालिनी व भाजपा के कुछ अन्य स्टार प्रचारकों का आना तय माना जा रहा है। गृह मंत्री अमित शाह भी यहां चुनाव प्रचार करने आ सकते हैं। वहीं सपा- रालोद प्रत्याशियों के समर्थन में सपा प्रमुख अखिलेश यादव व रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी संयुक्त रूप से और अलग-अलग चुनावी सभाएं करने आएंगे। कांग्रेस के प्रत्याशी यहां कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी के कार्यक्रम की मांग कर चुके हैं। सिकंदराराऊ विधान सभा क्षेत्र में बघेल समाज के वोटरों की अच्छी संख्या है. इसलिए यहां छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को बुलाने की मांग की जा रही है।

सीएम धामी की सीट का खेल बिगाड़ सकती बसपा और आप

» दोनों दलों के प्रदर्शन के आधार पर होगा वीआईपी सीट खटीमा का भविष्य

» जीत की तिकड़ी के लिए मैदान में उतरे धामी के सामने बड़ी चुनौती

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। उत्तराखंड राज्य के 70 सदस्यीय विधान सभा की 70वीं सीट है खटीमा। आखिरी नंबर की यह सीट प्रदेश की मौजूदा सियासत की धुरी है। उत्तराखंड राज्य के पांचवें चुनाव में खटीमा सबसे वीआईपी सीट है। लगातार दो बार इस सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले पुष्कर सिंह धामी को छह महीने पहले मुख्यमंत्री की कुर्सी मिली और वह इस सीट से लगातार तीसरी बार प्रत्याशी बनाए गए हैं। जीत की तिकड़ी के लिए मैदान में उतरे धामी के सामने चुनौती सीधी है। खटीमा में भाजपा और कांग्रेस में आमने-सामने की टक्कर है।

दोनों दल दो-दो बार इस सीट को जीत चुके हैं लेकिन इस बार बसपा और आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन इस वीआईपी सीट के समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। जातीय रूप से यहां क्षत्रिय वोटर सबसे ज्यादा होने के बावजूद राणा और अल्पसंख्यक वोटरों की भूमिका खासी अहम है और इस बार राणा और मुस्लिम बिरादरी के प्रत्याशी भी मैदान में हैं। नेपाल सीमा से लगी खटीमा विधानसभा सीट नैनीताल-ऊधमसिंह नगर लोकसभा सीट का हिस्सा है। इस लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले अजय भट्ट मोदी सरकार में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री हैं। सीएम धामी को चुनौती देने वाले कांग्रेस के प्रत्याशी भुवन चंद्र कापड़ी प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हैं। दोनों दिग्गज नेता मूल रूप से एक ही जिले (पिथौरागढ़) के निवासी हैं। वहीं कांग्रेस खटीमा के विकास, शिक्षा और युवाओं के मुद्दों को जोरशोर से उठाकर मतदाताओं को लुभाने का प्रयास कर रही है यद्यपि तीन केंद्रीय कृषि कानूनों की वापसी के बावजूद तराई के किसानों की तरह ही यहां इसकी खूब चर्चा है, लेकिन इस सीट पर सबसे बड़ा मुद्दा काबिज जमीन पर स्वामित्व का है। विधानसभा के पिछले दोनों चुनाव में बसपा के रमेश सिंह राणा ने दमदार प्रदर्शन किया था। इस बार उनके अलावा पहली बार उतरी आम आदमी पार्टी के सिख प्रत्याशी के प्रदर्शन पर दोनों दलों की नजरें हैं।

"ये चुनाव काम करने वाले और कारनामे करने वालों के बीच है। हमारा कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं है, विपक्ष मुद्दाहीन है। हमने खटीमा में आईटीआई, स्कूल, अस्पताल में एमआरआई व अल्ट्रासाउंड मशीन से लेकर ऑक्सीजन प्लांट, मंदिरों का सौंदर्यीकरण सहित विकास के अनेक काम किए हैं। स्टेडियम और बस स्टेशन का निर्माण चल रहा है। 54 किमी का स्टेट हाइवे मंजूर हो गया। सरकार के छह माह में लिए गए 550 फैसलों का लाभ हर वर्ग को मिला है।

- पुष्कर सिंह धामी मुख्यमंत्री और प्रत्याशी भाजपा

"खटीमा की जनता बड़े कद या बड़े पद के बजाय बड़े काम को पसंद करती है। भाजपा इस सीट पर दस साल से काबिज है, लेकिन विकास के नाम पर हाल यह है कि टूटी सड़क और शहर में लगने वाला जाम इसे जामनगर बना रहा है। जलभराव का कोई समाधान नहीं किया गया है। कोरोना के दौरान अस्पतालों में आईसीयू और वेंटिलेटर सफेद हाथी बने रहे।

- भुवन चंद्र कापड़ी, प्रत्याशी, कांग्रेस

"खटीमा को जिला बनाने की दो दशक से मांग होती रही, लेकिन खटीमा से मुख्यमंत्री मिलने के बावजूद इसे पूरा नहीं किया जा सका जबकि उप्र के दौरान बसपा राज में बहन मायावती के नेतृत्व में वर्तमान उत्तराखंड में तीन नए जिले बनाए गए। जमीन की समस्या का मिल बैठकर समाधान करने का प्रयास किया जाएगा।

- रमेश सिंह राणा, प्रत्याशी, बसपा

"दोनों मुख्य दल जब विपक्ष में होते हैं, महंगाई पर शोर मचाते हैं, लेकिन महंगाई कम करने के लिए दोनों के पास न कोई नीति है और न ही कोई नीयत। आप शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, साफ पानी जैसी सुविधा लोगों को उपलब्ध कराने के लिए काम करेगी। दिल्ली मॉडल को लागू करने के साथ आम आदमी पार्टी किसानों को मजबूत करेगी।

- एसएस कलेर, प्रत्याशी, आम आदमी पार्टी

खटीमा सीट पर मतदाता

कुल वोटर	119980
पुरुष	60797
महिलाएं	59178
थर्ड जेंडर	5

परिसीमन से पहले आरक्षित थी सीट

उत्तराखंड राज्य बनने के बाद खटीमा सीट शुरुआत के दो चुनावों 2002 और 2007 में अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित थी। इसके बाद हुए परिसीमन में खटीमा सीट को अनारक्षित कर दिया गया। खटीमा से कटकर बनी दूसरी सीट नानकमत्ता को एसटी जाति के लिए आरक्षित किया गया। 2002 और 2007 में कांग्रेस के गोपाल सिंह राणा विधायक बने जबकि 2012 और 2017 में भाजपा के पुष्कर सिंह धामी यहां के विधानसभा में प्रतिनिधि चुने गए।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जानलेवा बेरोजगारी पर लगाम कब?

पिछले तीन वर्षों में बेरोजगारी के कारण देश में नौ हजार से अधिक लोगों ने आत्महत्या कर ली जबकि बेरोजगारी दर 7.9 फीसदी पर पहुंच चुकी है। ये आंकड़े यह बताने के लिए काफी हैं कि देश में हालात किस कदर बिगड़ चुके हैं और जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो स्थितियां बेकाबू हो जाएंगी। सवाल यह है कि बेरोजगारी पर लगाम लगाने में केंद्र और राज्य सरकारें नाकाम क्यों हो रही हैं?

पिछले तीन वर्षों में बेरोजगारी के कारण देश में नौ हजार से अधिक लोगों ने आत्महत्या कर ली जबकि बेरोजगारी दर 7.9 फीसदी पर पहुंच चुकी है। ये आंकड़े यह बताने के लिए काफी हैं कि देश में हालात किस कदर बिगड़ चुके हैं और जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो स्थितियां बेकाबू हो जाएंगी। सवाल यह है कि बेरोजगारी पर लगाम लगाने में केंद्र और राज्य सरकारें नाकाम क्यों हो रही हैं? युवाओं को रोजी-रोटी के साधन क्यों नहीं मिल रहे हैं? रोजगार के साधनों में विस्तार क्यों नहीं किया जा रहा है? क्या लोगों को जीविका उपलब्ध कराना सरकार का दायित्व नहीं है? क्या बढ़ती बेरोजगारी देश में नए सामाजिक और आर्थिक संकट का कारण नहीं बनेगी? क्या यह अपराधों को बढ़ाने में उत्प्रेरक का काम नहीं करेगी? क्या बिना क्रय शक्ति बढ़ाए देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है? क्या रोजगार के बिना देश का संपूर्ण विकास किया जा सकता है?

देश की संसद में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि पिछले तीन साल में 9140 लोगों ने बेरोजगारी के कारण अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इसमें वर्ष 2020 में 3548, 2019 में 2851 और 2018 में 2741 लोगों ने आत्महत्या की। आंकड़ों पर गौर करे तो कोरोना के पहले वर्ष 2020 में साढ़े तीन हजार से अधिक लोगों ने मौत को गले लगाया जबकि दूसरी लहर के दौरान यानी 2021 के आंकड़े सरकार ने पेश नहीं किए हैं। यह वह दौर था जब लाखों लोग बेरोजगार हुए। इसकी एक वजह आर्थिक गतिविधियों का ठप रहना था। सच यह है कि देश में बेरोजगारी बढ़ती जा रही है और आज यह बड़ी समस्या बन चुकी है। तमाम सरकारें आईं और गईं लेकिन इसका समाधान नहीं किया गया। कोई ठोस उपाय नहीं किए गए। लिहाजा बेरोजगारी बेकाबू होती जा रही है। इसकी पुष्टि सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी भी करती है। उसके मुताबिक पिछले साल दिसंबर माह में देश में बेरोजगारी दर 7.9 फीसदी पर पहुंच चुकी थी। यह चिंताजनक है। ग्रामीण क्षेत्रों के मुकाबले शहरों में बेरोजगारी दर अधिक है क्योंकि गांवों से लोग शहरों में रोजी-रोजगार की खोज में पहुंच रहे हैं। साफ है कि सरकार को जल्द से जल्द ठोस कदम उठाने होंगे। सरकार को चाहिए कि वह एक ओर सरकारी रिक्त पदों को भरे वहीं लघु और मध्यम उद्योग धंधों को बढ़ावा दें। इसके साथ स्वरोजगार के लिए आर्थिक मदद और अन्य संसाधन मुहैया कराए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो देश में न केवल सामाजिक और आर्थिक समस्याएं बढ़ेंगी बल्कि पूंजीगत बाजार का सारा ढांचा बिखर जाएगा और देश का विकास ठप हो जाएगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जागरूकता जरूरी

लक्ष्मीकांत चावला

भारत के चुनाव आयोग ने यह आवश्यक कर दिया है कि चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड है तो उसे सार्वजनिक किया जाए। वहीं प्रत्याशियों के आपराधिक विवरण की जानकारी समाचारपत्रों में प्रकाशित करवाएं। जरूरी है कि आयोग द्वारा निर्धारित समाचारपत्रों तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में समय से पहले हर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले प्रत्याशी की सारी जानकारी जनता को दी जाए। आठ फरवरी से पहले इस संबंध में पहला इश्तिहार प्रकाशित हो जाना चाहिए था जो अधिकतर उम्मीदवारों ने नहीं किया।

चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार चुनाव लड़ने वाले हर उम्मीदवार और उसकी पार्टी को तीन बार समाचारपत्रों और टेलीविजन में उम्मीदवार की आपराधिक पृष्ठभूमि, कितने केस बने हैं और दंड संहिता की किस-किस धारा में ये केस दर्ज हैं, उसका प्रकाशित होना जरूरी है। दूसरा, इश्तिहार नामांकन वापस लेने की तिथि के पांचवें दिन और तीसरा इश्तिहार नौवें दिन से लेकर प्रचार के आखिरी दिन अर्थात चुनाव से एक दिन पहले अवश्य ही छपना चाहिए। अखबार भी वह होने चाहिए, जिनका नाम राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव आयोग ने तय किया है। चुनाव आयोग इस बात से चिंतित दिखाई दे रहा है कि देश में लगभग सभी राजनीतिक दल आपराधिक छवि वाले व्यक्तियों को चुनावी रण में उतार रहे हैं और उनमें से बहुत से जीत भी जाते हैं। एक सर्वेक्षण के अनुसार पांच राज्यों के विधान सभा चुनावों में आपराधिक छवि के लोगों को टिकट देने की होड़ है। दूसरी ओर, आंकड़े यह भी बता रहे हैं कि देशभर में वर्तमान और पूर्व सांसदों के खिलाफ आपराधिक मुकदमों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। न्यायमित्र एवं वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया और वकील स्नेहा कलिता ने कहा है कि दिसंबर, 2018 में वर्तमान और पूर्व सांसदों, विधायकों के खिलाफ 4,122 मुकदमे लंबित थे, जो 1 दिसंबर, 2021 को बढ़कर 4,984 हो गए। कौन नहीं जानता कि तथाकथित वीआईपी व्यक्तियों और माननीयों के विरुद्ध चल रहे केस जल्दी निर्णय की स्थिति में नहीं पहुंचते। उनके पास बाहुबल तो है ही धन बल के साथ ही वे मामले सर्वोच्च अदालत में पहुंचने में अनेक वर्ष लग जाते हैं।

अब प्रश्न यह है कि मतदाता क्या करे? सभी नागरिक किसी न किसी राजनेता या राजनीतिक दल के प्रभाव में होते ही हैं और उसी अनुसार मतदान करते हैं। यद्यपि चुनाव आयोग ने नोटा

का एक बटन तो बना दिया अर्थात् जिसे कोई भी राजनीतिक दल या प्रत्याशी पसंद नहीं वह नोटा का बटन दबा दे पर नोटा की किस्मत क्या होगी, बटन दबाने वाला भी नहीं जानता। पिछली बार पंजाब में ही हजारों लोगों ने नोटा का उपयोग किया पर परिणाम शून्य था। सच्चाई यह है कि अगर जीतने वाले प्रत्याशी से भी अधिक नोटा के पक्ष में बटन दबा दिए जाएं तो भी वही जीतेगा, जिसके पक्ष में मतदान ज्यादा हुआ है। देश को, संसद को, चुनाव आयोग और बुद्धिजीवियों को इस पर मंथन कर कोई निर्णय लेना होगा कि जिन मतदाताओं को किसी भी कारण प्रत्याशी स्वीकार नहीं, वे क्या करें। नोटा का कोई न कोई तो उपयोग तय करना ही होगा। अब प्रश्न मतदाताओं का है। सभी राजनीतिक दलों के लोग चुनावी घोषणाओं के साथ बड़े-बड़े उपहार और मुफ्तखोरी की घोषणा करते हैं। जो अति वंचित लोग हैं वे तो नौ नकद न तेरह उधार की नीति पर चलते हुए चार दिन दिवाली मना लेते हैं, पर राज्य का, देश का क्या बनेगा। अब भी पंजाब सहित जिन पांच राज्यों में चुनाव हो रहे हैं, कहीं से यह आवाज नहीं आई कि पीने का शुद्ध पानी मिलेगा। हवा शुद्ध हो जाएगी, प्रदूषण से रोगी नहीं होना पड़ेगा। रोटी सस्ती मिलेगी और रोजगार में हर हाथ को काम व काम के पूरे दाम की नीति अपनाई जाएगी। ठेके की नौकरी पर, आउटसोर्सिंग की चक्की में जवानी को नहीं पिसना पड़ेगा और निराश-हताश देश की जवानी विदेशों में रोटी-रोजी की तलाश में नहीं जाएगी, ऐसी सरकारें पंजाब में या देश में ये राजनेता बनाएंगे। यह तो वे घोषणाएं हैं जो सरेआम हो रही हैं।

स्कूटी, महिलाओं को एक हजार से पांच हजार रुपये मासिक देने, बिजली मुफ्त, किसानों के खजाने में रुपये भेजने आदि न जाने कितनी घोषणाएं हैं पर यह तो जनता को सोचना है कि हमे मतदान करना है या मुफ्तखोरी के लालच में अथवा रात के अंधेरों में बंटने वाले हलवे के आधार पर वोट देना है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में यही रास्ता बताया है कि दान देने से पहले दान पात्र की योग्यता भी देखनी चाहिए। जनता को चाहिए कि कुर्सी के लिए, पार्टी की टिकट के लिए दल बदलने वालों को वोट मत दें। वहीं किसी वस्तु या सुविधा के लालच में वोट देना भी देश, राज्य और लोकतंत्र के साथ धोखा है। अगर वही लोग जीत गए जो धनबल या डंडे के बल से वोट खरीद लेते हैं तो फिर देश में लोकतंत्र नहीं, डंडा तंत्र होगा।

महंगाई से जूझता अमेरिका

अश्विनी महाजन

महंगाई भारत समेत पूरी दुनिया में एक आम बात है। अमेरिका ने कई पीढ़ियों से महंगाई का दंश नहीं झेला लेकिन पिछले एक साल में वहां महंगाई की दर लगभग 7.2 प्रतिशत तक पहुंच गयी है। इससे आम नागरिकों का जीवन प्रभावित हो रहा है। अमेरिकी सरकार को भी जनता के सवालों को झेलना भारी पड़ रहा है। कहा जा रहा है कि 2022 के मध्यावधि चुनावों में सत्तारूढ़ डेमोक्रेट पार्टी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। एक तरफ कोविड के कारण 2.2 करोड़ अमेरिकियों के रोजगार नष्ट हुए हैं और वार्षिक उत्पादन में 30 प्रतिशत की गिरावट आयी है। दूसरी तरफ, बढ़ती महंगाई के चलते जीवन की कठिनाई बढ़ती जा रही है।

सवाल है कि अमेरिका महंगाई से कैसे बचता रहा है और कैसे अब महंगाई की चपेट में आ गया है। वहां अंडों की कीमत में आठ प्रतिशत, पेट्रोल में 58 प्रतिशत, रसोई की वस्तुओं की कीमतों में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। साथ ही रोजमर्रा के उपयोग की लगभग हर वस्तु में महंगाई दर्ज हुई है। कुछ अमेरिकी अर्थशास्त्रियों का मानना है कि कोविड के प्रभाव से अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए सरकार द्वारा सहायता पैकेज देने की घोषणा हुई, फलस्वरूप मांग में वृद्धि तो हुई, लेकिन पूर्ति बाधित होने से वस्तुओं की कीमतें बढ़ गयीं। महंगाई के कारण मजदूरी दरों में भी वृद्धि हो रही है, जिससे लागत में वृद्धि हुई है। इससे ही महंगाई में तेजी आयी है। वहीं कोविड काल की स्थगित मांग भी अब वापिस आ रही है। कोविड काल में स्थायी आमदनी वाले लोग आमदनी को पूरा खर्च नहीं कर पाये। अब वे पर्यटन, ईंधन, खाद्य पदार्थों, रेस्त्रां आदि पर खर्च बढ़ा रहे हैं। हालांकि, पूर्ति सुधरेगी तो महंगाई पर काबू पाना संभव हो पायेगा लेकिन, यह तय है कि महंगाई से जल्द ही कोई राहत नहीं मिलनेवाली है।

अमेरिकी नीति-निर्माता इस रिकॉर्ड महंगाई का ठीकरा सप्लाईचेन समस्याओं और कच्चे माल की कमी पर फोड़ने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन अधिकांश अर्थशास्त्री मुद्रा की बढ़ती आपूर्ति को इसका मुख्य कारण बता रहे हैं। यह बात सही है कि उपभोक्ता मांग में वृद्धि के कारण वस्तुओं की कमी हो गयी है, लेकिन अमेरिका की महंगाई का यह मुख्य कारण नहीं है। बढ़ती उपभोक्ता कीमतों के कारण मजदूरी दर में वृद्धि का दबाव बढ़ रहा है। बढ़ी मजदूरी दर से लागतों में वृद्धि हो रही है और इससे कीमतें और बढ़ेंगी यानी, अमेरिकी अर्थव्यवस्था में हो रही महंगाई अब जल्दी खत्म होने वाली नहीं है। अमेरिका में कई नीति-निर्माताओं का कहना है कि वस्तुओं की कमी के चलते विक्रेताओं ने कीमतें बढ़ायी हैं इसलिए कीमत नियंत्रण से भी महंगाई को रोका जा सकता है लेकिन, इसका एक नुकसान यह है कि उत्पादकों का अधिक उत्पादन हेतु प्रोत्साहन कम हो जाता है। इसके कारण उपभोक्ताओं को वस्तुओं की कमी से जूझना पड़ सकता है लेकिन, एक क्षेत्र जहां कीमत नियंत्रण की प्रभावी भूमिका हो सकती है, वह है- दवा का क्षेत्र। अमेरिकी दवा कंपनी बौद्धिक संपदा के नाम पर दवाओं की भारी कीमतें वसूलती हैं। अत: दवा की कीमतों पर नियंत्रण उपभोक्ताओं को भारी राहत दे सकता है। अमेरिका के नीति-निर्माता महंगाई के असली कारणों से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। इतिहास गवाह है कि महंगाई का मुख्य कारण मुद्रा का विस्तार ही होता है। अर्थशास्त्र का एक सिद्धांत है- इरविंग फिशर का मुद्रा का परिमाण सिद्धांत। इस सिद्धांत के अनुसार यदि अर्थव्यवस्था में वस्तुओं और सेवाओं का कुल उत्पादन अथवा सौदों का परिमाण समान रहता है, तो मुद्रा के परिमाण में वृद्धि के अनुपात में कीमत स्तर में भी वृद्धि होती है। पहले 2007-08 से प्रारंभ वित्तीय संकट से उबरने के लिए और पिछले लगभग दो वर्षों में कोविड के कारण अर्थव्यवस्था में गिरावट के प्रभाव की क्षतिपूर्ति करने के लिए भारी सहायता पैकेज हेतु 'मात्रात्मक ढील' के नाम पर अमेरिकी प्रशासन ने मुद्रा की मात्रा में भारी वृद्धि की है। इसके कारण महंगाई बेकाबू होती जा रही है। नवंबर, 2020 और नवंबर, 2021 के बीच जनता के पास कुल करेंसी में 1.56 खरब डालर की वृद्धि हुई यानी 7.6 प्रतिशत की वृद्धि लेकिन एम-1 मुद्रा की आपूर्ति में वृद्धि 15.7 प्रतिशत की थी। अमेरिकी सरकार द्वारा अतिरिक्त मुद्रा का सृजन करते हुए सरकारी सहायताएं देना कोई नयी बात नहीं है, लेकिन पिछले कुछ समय से डॉलर की वैश्विक लोकप्रियता में कुछ कमी आयी है, जिसका स्थान चीनी करेंसी युआन ले रहा है। ऐसे में अमेरिका के बाहर डॉलर की आपूर्ति कम हो रही है, जिसके चलते बढ़ती डॉलर की मात्रा के कारण अमेरिका में महंगाई की आशंकाएं और बढ़ गयी हैं। ऐसा लगता है कि भविष्य में यदि युआन के प्रति आकर्षण की यह प्रवृत्ति जारी रही, तो अमेरिका में बढ़ती मुद्रा की आपूर्ति भविष्य में भी महंगाई का कारण बनती रहेगी। पिछले काफी समय से अमेरिका में मैनुफैक्चरिंग उत्पादन घटता रहा है और अमेरिका में अधिकांश जीडीपी सेवाओं से प्राप्त हो रही है। उसमें भी अमेरिका की जीडीपी में काफी बड़ा हिस्सा अमेरिकी कंपनियों की विदेशों में अर्जित आय है, जिससे अमेरिका को भारी मात्रा में कराधान प्राप्त होता रहा है. लेकिन, कंपनियां इस कराधान से बचने का प्रयास कर रही हैं, जिसका असर महंगाई पर पड़ रहा है।

रोज सुबह पीने के पानी में मिलाएं शहद

चमक उठेगा चेहरा

क्या आपके चेहरे की चमक फीकी पड़ती जा रही है, सारे उपाय करने के बाद भी आपके चेहरे की चमक में कुछ फर्क नहीं पड़ रहा है तो हो सकता है कि आप दिन भर में पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पी रहे हों। डिहाइड्रेशन की वजह से भी चेहरा डल पड़ जाता हैं। पानी पीने से चेहरा हाइड्रेट रहता है और हाइड्रेटिंग की वजह से स्किन को कई फायदे होते हैं। लेकिन अगर आप चाहती है कि आपका चेहरा हाइड्रेट रहने के साथ एक्स्ट्रा ग्लो करे और साथ ही ये क्लीन एंड क्लीयर दिखें तो आपको रोजाना एक गिलास पानी में ये चीजें मिलाकर पीनी चाहिए। आज हम आपको इस आर्टिकल में कुछ ऐसी नेचुरल चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें पीने से बॉडी डिटॉक्स होगा और चेहरा ग्लो करेगा। आइए जानते हैं कि पानी के साथ क्या मिलाकर आप चमकदार चेहरा पा सकते हैं...

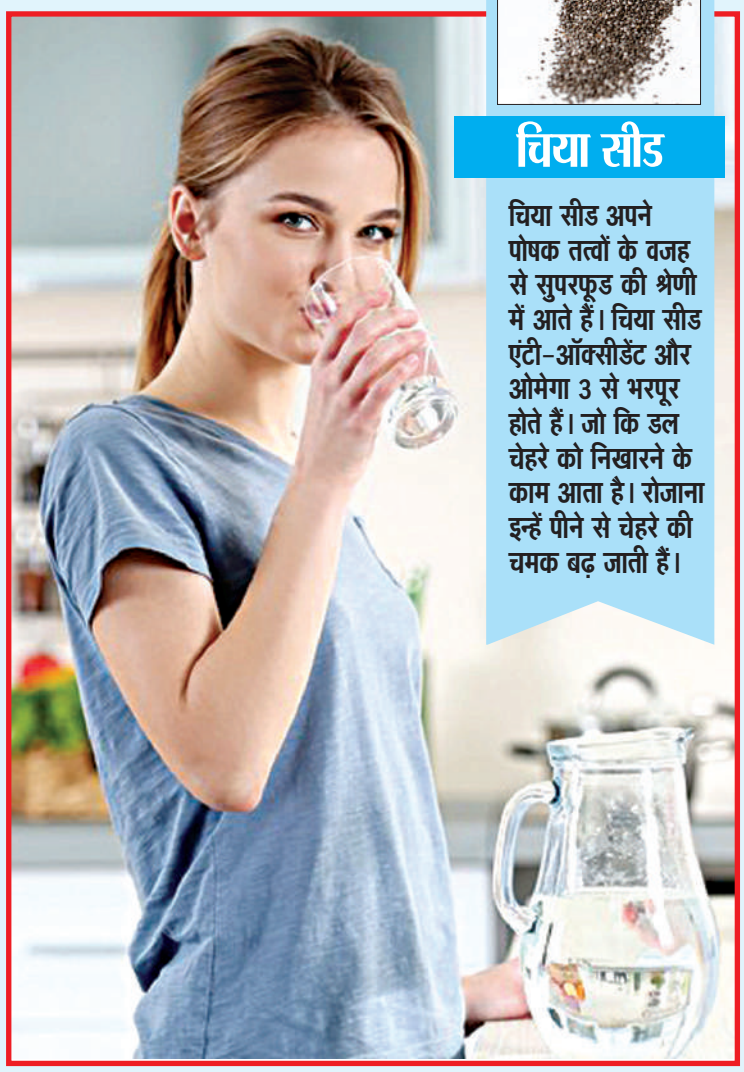

चिया सीड

चिया सीड अपने पोषक तत्वों के वजह से सुपरफूड की श्रेणी में आते हैं। चिया सीड एंटी-ऑक्सीडेंट और ओमेगा 3 से भरपूर होते हैं। जो कि डल चेहरे को निखारने के काम आता है। रोजाना इन्हें पीने से चेहरे की चमक बढ़ जाती हैं।

दालचीनी

पीने के पानी को उबालते समय उसमें एक चुटकी दालचीनी और एक सेब का टुकड़ा डालें। फिर पानी छानकर पी लें। इसका टेस्ट भी अच्छा लगेगा और आपके शरीर का रक्त संचार सही रहेगा। इससे आपके चेहरे पर निखार आएगा।

पुदीने का पानी

पुदीने का पानी पीने से आपका पेट साफ होता है और आपकी स्किन पर किसी तरह के दाग धब्बे नहीं होते हैं। ऐसे में आप चाहें तो रोज सुबह पुदीने का पानी पी सकते हैं। इससे आपका स्किन ग्लोइंग नजर आएगा।

शहद

सुबह गुनगुने पानी में शहद मिलाकर पीने से आपके शरीर की चर्बी कम होती है। इसके अलावा आपके स्किन के स्पॉट भी गायब होते हैं।

स्ट्रॉबेरी का रस

पीने के पानी में स्ट्रॉबेरी का रस मिलाकर पीने से आपके चेहरे से दाग धब्बे गायब हो जाएंगे। इसमें विटामिन सी और एंटीऑक्सिडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

ऐसे पीएं पानी बन जाएगा अमृत

शरीर के लिए पानी से महत्वपूर्ण दूसरी चीज शायद ही हो। चूंकि मनुष्य का आधे से अधिक शरीर पानी से ही बना है और शरीर की सभी गंदगी को प्राकृतिक तरीके से निकालने में पानी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए दिन में आठ से दस गिलास पानी पीने की सलाह दी जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पानी पीने का भी अपना एक तरीका होता है, अन्यथा इस अमृत को जहर में बदलते देर नहीं लगती। गलत समय पर गलत तरह से पिया गया पानी शरीर को सिर्फ और सिर्फ नुकसान ही पहुंचाता है। तो चलिए जानते हैं पानी पीने के कुछ नियमों के बारे में-

पीएं खाली पेट

व्यक्ति को सुबह उठकर सबसे पहले पानी ही पीना चाहिए। इससे व्यक्ति को पेट संबंधी परेशानियां जैसे कब्ज या अपच आदि समस्याएं नहीं होती और पेट भी ठीक तरह से साफ होता है। यह पूरी तरह आपके उपर है कि ताबें में रखा पानी पीएं या गर्म पानी पीएं या फिर पानी में नींबू व शहद मिलाएं। आप किसी भी तरह से पानी लें लेकिन एक या दो गिलास पानी अवश्य पीएं।

भोजन के साथ नहीं

कुछ लोग भोजन के साथ हमेशा एक गिलास पानी अवश्य रखते हैं। अगर आपकी भी यही आदत है तो आज ही इसे बदल दीजिए। कभी भी भोजन के साथ पानी न पीएं। इससे भोजन की पाचन प्रक्रिया स्लो होती है। अगर आपको पानी पीने की जरूरत महसूस हो रही है तो मह्ज एक या दो घूंट ही पानी पीएं। साथ ही कोशिश करें कि आप ठंडे पानी के स्थान पर गुनगुना पानी पीएं। वैसे भोजन से एक घंटे पहले पानी पीना काफी अच्छा माना जाता है। ऐसा करने से व्यक्ति की भूख पर नियंत्रण होता है और व्यक्ति अधिक कैलोरी का सेवन करने से बच जाता है, जिससे वजन भी नियंत्रित रहता है।

हमेशा पीएं बैठकर

अक्सर हम घरों में देखते है कि लोग हमेशा जल्दी में होते है और कहीं भी आते-जाते या गर्मी के मौसम में सीधे ही फ्रिज से निकालकर पानी पीते हैं। लेकिन उनकी यही खड़े होकर पानी पीने की आदत सेहत को नुकसान पहुंचाती है। सबसे पहले तो ऐसा करने से व्यक्ति को तृप्ति का अहसास नहीं होता। साथ ही ऐसा करने से व्यक्ति के जोड़ों में भी दर्द की शिकायत होती है। इसलिए हमेशा बैठकर व आराम से ही पानी पीएं। एक साथ एक गिलास पानी पीने की बजाय घूंट-घूंटकर पानी पीना अच्छा रहेगा।

कहानी — सच्ची मित्रता के मायने

झील किनारे एक जंगल में हिरण, कछुआ और कठफोड़वा मित्र भाव से रहते थे। एक दिन एक शिकारी ने उनके पैरों के निशान देखकर उनके रास्ते में पड़ने वाले पेड़ पर एक फंदा लटका दिया और अपनी झोपड़ी में चला गया। थोड़ी ही देर में हिरण मस्ती में झूमता हुआ उधर से निकला और फंदे में फंस गया। वह जोर से चिल्लाया, बचाओ। उसकी पुकार सुनकर कठफोड़वा के साथ कछुआ वहां आ गया। कठफोड़वा कछुए से बोला, मित्र तुम्हारे दांत मजबूत हैं। तुम इस फंदे को काटो। मैं शिकारी का रास्ता रोकता हूं। जैसे ही कछुआ फंदा काटने में लग गया। उधर शिकारी ने जैसे ही हिरण की चीख सुनी वह तुरंत झोपड़ी से बाहर निकला और पेड़ की ओर लपका। लेकिन कठफोड़वे ने उसके सिर पर चोंच मारनी शुरू कर दी। शिकारी अपनी जान बचाकर फिर झोपड़ी में भागा और पिछवाड़े से निकलकर पेड़ की ओर बढ़ा। लेकिन कठफोड़वा शिकारी से पहले ही पेड़ के पास पहुंच गया था। उसने देखा की कछुआ अपना काम कर चुका है, उसने हिरण और कछुए से कहा, मित्रों जल्दी से भागो। यह सुनकर हिरण वहां से भाग निकला। लेकिन कछुआ शिकारी के हाथ लग गया। शिकारी ने कछुए को थैले में डाल लिया और बोला इसकी वजह से हिरण मेरे हाथ से निकल गया। आज इसको ही मारकर खाऊंगा। हिरण ने सोचा उसका मित्र पकड़ा गया है। उसने मेरी जान बचाई थी, अब मेरा भी फर्ज बनता है कि मैं उसकी मदद करूं। यह सोचकर वह शिकारी के रास्ते में आ गया। शिकारी ने हिरण को देखा तो थैले को वहीं फेंककर हिरण के पीछे भागा। हिरण अपनी पुरानी खोह की ओर भागा। शिकारी उसके पीछे-पीछे था। हिरण अपनी खोह में घुस गया। उसने सोचा एक बार शिकारी इस खोह में घुस गया तो उसका बाहर निकलना मुश्किल हो जाएगा। थोड़ी ही देर में शिकारी खोह में पहुंचा। उसने सोचा अब हिरण भागकर कहां जाएगा। वह भी खोह के अंदर घुस गया। खोह के अंदर भूल-भुलैया जैसे रास्ते थे। शिकारी उन रास्तों में भटक गया। हिरण दूसरे रास्ते से निकलकर थैले के पास जा पहुंचा और कछुए को आजाद कर दिया। उसके बाद वे तीनों मित्र वहां से सही-सलामत निकल गए।

हंसना मना है

किडनैपर : तेरी बीवी मेरे कब्जे में है, सबूत के तौर पर दो अंगुली भेज रहा हूं। जल्दी एक करोड़ रुपये दे दो।
संता : सबूत पक्का नहीं है, मुंडी भेज मुंडी।

आजकल के लड़कों का हौसला तो देखिए, पड़ोस की पिंकी देखती तक नहीं है और फेसबुक पर अमेरिका की लड़कियों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेज रहे हैं।

पप्पू और उसकी पत्नी छत पर सोये हुए थे।
पप्पू : जानू नींद नहीं आ रही है।
पत्नी : तो किचन में बर्तन है, उसको धो डालो। पप्पू : अरे पगली मैं तो नींद में ही बोल रहा हूं, तू भी न क्या-क्या सोच लेती है।

सोनू : इतना परेशान क्यों है। मोनू : एक बात ने परेशान कर रखा है। सोनू : किस बात ने। मोनू : मैं जब भी रसगुल्ला देखता हूं तो मुंह में पानी आ जाता है। ऐसा क्यों नहीं होता कि पानी देखूं तो मुंह में रसगुल्ला आ जाए।

6 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — वाणी पर नियंत्रण रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। पूजा-पाठ पर व्यय होगा।

वृषभ — किसी लंबी यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नेत्र पीड़ा की आशंका है। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। व्यापार व्यवसाय इत्यादि मनोनुकूल रहेंगे।

मिथुन — कुंआरों को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। घर-परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। भागदौड़ रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य का साथ मिलेगा।

कर्क — मानसिक उलझनें रहेंगी। शारीरिक कष्ट से बाधा होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की आवश्यकता पड़ सकती है। धैर्य रखें।

सिंह — किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या — बोलचाल में संतुलन रखें। परिवार के छोटे सदस्यों के स्वास्थ्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

तुला — पहले की गई मेहनत का फल अब मिलेगा। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा प्राप्त होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। आय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक — कोई पुराना रोग उभर सकता है। किसी व्यक्ति विशेष से अकारण विवाद हो सकता है। संयम बरतें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। भावनाओं को वश में रखें।

धनु — लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य में सफलता हासिल करेगा। प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे। किसी मनोरंजक यात्रा का आयोजन हो सकता है।

मकर — प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। विवाद बढ़ने की आशंका है। क्लेश होगा। भूमि व भवन संबंधी निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी।

कुम्भ — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सहयोग प्राप्त होगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। शत्रुभय रहेगा। सुख के साधन जुटेंगे। आय में सुगमता रहेगी। उत्साह बने रहेंगे।

मीन — वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। शारीरिक हानि की आशंका है। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। क्रोध तथा उत्तेजना पर नियंत्रण रखें।

भोजपुरी | ग्लैमरस

नो-मेकअपलुक में भी मोनालिसा ने दिखाया ग्लैमरस अवतार

भोजपुरी क्वीन मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह आए दिन अपनी ग्लैमरस तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं जो फैंस को बेहद पसंद आती हैं। मोनालिसा का हटके अंदाज फैंस को बहुत पसंद आता है, जिसकी वजह से वह हर जगह छाई रहती हैं। मोनालिसा को फैंस बहुत पसंद करते हैं, जिसकी वजह से वह अपने फैंस के लिए कुछ ना कुछ शेयर करती रहती हैं। कभी ट्रेडिशनल अवतार में तो कभी वेस्टर्न लुक में। इस बार मोनालिसा ने नो-मेकअप लुक में फोटोज शेयर की हैं। मोनालिसा ने लैवेंडर क्रॉप टॉप और ग्रीन पैंट में फोटोज शेयर की हैं। इन सिंपल सी तस्वीरों में वह बेहद सुंदर लग रही हैं। फोटोज में मोनालिसा अलग-अलग पोज देती नजर आ रही हैं। मोनालिसा ने ये फोटोज शेयर करते हुए ग्रीन और पर्पल हार्ट पोस्ट किए। उनकी फोटोज को हजारों फैंस लाइक कर चुके हैं और ढेर सारे कमेंट्स कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा-शानदार। वहीं दूसरे ने लिखा मैम आप बहुत सुंदर लग रही हैं। मोनालिसा को असली पहचान बिग बॉस के बाद से मिली थी। इस शो के बाद से उन्होंने टीवी की दुनिया में कदम रखा था। वह कई सीरियल्स में नेगेटिव किरदार निभा चुकी हैं। मोनालिसा अब वेब सीरीज में भी नजर आने वाली हैं। वह अपने सेट से कई तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

10 जून को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी

'पृथ्वीराज'

बॉलीवुड | मसाला

आ गई... आ गई... ऐतिहासिक फिल्म पृथ्वीराज की रिलीज डेट सामने आ गई है। अक्षय कुमार, मानुषी छिल्लर स्टारर फिल्म 10 जून को रिलीज होने जा रही है। आपके लिये इस सरप्राइज के अलावा भी एक सरप्राइज है। हिंदुस्तान के महान योद्धा पृथ्वीराज के जीवन पर बन रही फिल्म में सोनू सोदू भी अहम भूमिका निभाने वाले हैं।

यश राज फिल्म्स के बैनर तले बन रही फिल्म में रील लाइफ से रियल लाइफ हीरो बने सोनू सूद चांद वरदाई का किरदान निभाने वाले हैं। सोनू सूद के ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट पर फिल्म का मोशन पोस्टर भी पोस्ट किया गया है। पोस्टर में सोनू सूद चंद वरदाई के कैरेक्टर में दिखाई दे रहे हैं. एक्टर को इस रोल में देखना सच में सबके एक बड़ा सरप्राइज है।

पृथ्वीराज जैसे महान योद्धा पर बन रही इस फिल्म को हिंदी, तमिल और तेलुगु तीन भाषाओं में रिलीज किया जायेगा. फिल्म की रिलीज डेट 10 जून इसलिये रखी गई है, क्योंकि उस दिन यश राज फिल्म्स के 50 साल पूरे हो रहे हैं. ऐसे खास मौके पर यश राज फिल्म्स ने पृथ्वीराज को रिलीज करने का फैसला किया है।

फिल्म रिलीज से पहले इसके नाम को लेकर काफी विवाद हो चुका है। हालांकि समय के साथ ये मामला शांत होता दिखा है। ऐसा पहली बार नहीं जब किसी ऐतिहासिक कहानी को पर्दे पर दिखाया जा रहा है। इससे पहले भी बॉलीवुड इस तरह कई फिल्में बना चुका है, पर देखना होगा कि अक्षय कुमार, सोनू सूद मानुषी छिल्लर और संजय दत्त अपने किरदारों को पर्दे पर किस तरह जनता के सामने रखते हैं।

फिल्म रिलीज से पहले इसके नाम को लेकर काफी विवाद हो चुका है। हालांकि समय के साथ ये मामला शांत होता दिखा है। ऐसा पहली बार नहीं जब किसी ऐतिहासिक कहानी को पर्दे पर दिखाया जा रहा है। इससे पहले भी बॉलीवुड इस तरह कई फिल्में बना चुका है।

आलिया संग बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे पार्थ

टीवी के पॉपुलर शो कसौटी जिंदगी की 2 से मशहूर हुए पार्थ समथान घर-घर में अपनी पहचान बना चुके हैं. सीरियल में पार्थ ने अनुराग का किरदार निभाया था. इसके अलावा पार्थ समथान को उनके एक और किरदार से जाना गया, वह है कैसी ये यारियां के मानिक मल्होत्रा. अब पार्थ जल्द ही बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे हैं, जिसे लेकर एक्टर काफी एक्साइटेड हैं. हाल ही में एक इंटरव्यू में पार्थ ने अपने इस प्रोजेक्ट पर खुलकर बात की. आलिया भट्ट के साथ पार्थ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे.

पार्थ समथान हाल ही में अपना म्यूजिक वीडियो %सबकी बारातें आई% प्रमोट करते नजर आए. इस वीडियो में पार्थ जारा येसमीन संग नजर आ रहे हैं. प्रोफेशनल लेवल पर पार्थ कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं. कुछ के लिए वह तैयारियां भी कर रहे हैं.

आलिया भट्ट संग बॉलीवुड डेब्यू की जानकारी देते हुए पार्थ ने कहा, फहां, मैं आलिया संग स्क्रीन शेयर कर रहा हूं. 15 फरवरी से फिल्म की शूटिंग शुरू होने जा रही है. आप सभी को इसके बारे में बाकी की जानकारी जल्द ही मिलेगी. मैं अभी इसके बारे में कुछ भी नहीं कह सकता हूं. कुछ ही हफ्तों में बाकी की चीजें आप सभी को पता चल जाएंगी. साल 2021 में पार्थ समथान ने अपने बॉलीवुड डेब्यू की जानकारी दी थी. उन्होंने खुद बताया था कि आलिया भट्ट संग स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे. फिल्म की शूटिंग पिछले साल शुरू होनी थी, लेकिन कोरोना के कारण इसकी शूटिंग को पोस्टपोन कर दिया गया था. अब कुछ ही दिनों में इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी.

वर्क फ्रंट की बात करें तो पार्थ समथान का एक और सिंगल म्यूजिक वीडियो रिलीज होने वाला है. कहा जा रहा है कि पार्थ के गाने का नाम %सिंगल सइयां% है. इस म्यूजिक वीडियो में पार्थ सुकृति कक्कड़ और प्रकृति कक्कड़ संग नजर आएंगे. इसके अलावा पार्थ समथान की दोस्ती एरिका फर्नांडिस संग काफी मजबूत है. दोनों अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं.

अजब-गजब | वैज्ञानिक ने किया चौकाने वाला दावा!

मरने के बाद नहीं है कोई जीवन न ही जिंदा रहती है आत्मा

जीवन और मृत्यु को लेकर दुनिया में तमाम तरह की धारणाएं हैं। हर धर्म में इंसान की मृत्यु के बाद के सफर को अपनी तरह समझाया और बताया गया है। हमेशा ही विज्ञान और धर्म के बीच इस बात को लेकर बहस छिड़ी रही है कि इंसान के शरीर में मृत्यु के बाद आखिर क्या घटता है? आत्मा या चेतना शरीर में रहते हैं या फिर वे इसे छोड़कर दूसरी यात्रा पर निकल जाते हैं? अब एक ब्रह्माण्ड वैज्ञानिक ने इसे लेकर बेहद चौंकाने वाला दावा किया है, जिसे सुनकर आप भी दंग रह जाएंगे।

कॉस्मोलजिस्ट डॉक्टर सीन कैरोल का दावा है कि अगर दुनिया में सब कुछ विज्ञान के नियमों के मुताबिक होता है तो भौतिकशास्त्र के मुताबिक ऐसा हो ही नहीं सकता कि मृत्यु के बाद कोई जीवन संभव हो। अपनी जिंदगी में ज्यादातर समय फिजिक्स पढ़ने में गुजार चुके प्रोफेसर सीन के मुताबिक इंसान की मृत्यु के बाद उसकी चेतना ब्रह्मांड में रह ही नहीं सकती। Scientific American में लिखते हुए डॉक्टर कैरोल बताते हैं कि ये दावा किया जाता है शरीर के मरने के बाद हमारी

चेतना या आत्मा किसी न किसी रूप में मौजूद रहती है। हमारी रोजाना की जिंदगी को फिजिक्स के नियमों के आधार पर ही समझा जाता है। इन नियमों के मुताबिक कोई ऐसा रास्ता नहीं है, जो मरने के बाद हमारे मस्तिष्क में मौजूद जानकारी को बनाए रखे। वे आगे कहते हैं कि ये एटम और कुछ जानी-पहचानी वैज्ञानिक शक्तियां हैं और साफ तौर पर वहां कोई भी रास्ता नहीं है, जिससे आत्मा मौत के बाद भी सर्वाइव करे। हालांकि अभी तक सभी वैज्ञानिक सीन के इस मत को नहीं स्वीकार कर पाए हैं। उनका कहना है कि वे इसके बाद इंसान के मस्तिष्क पर और अध्ययन किया जा सकता है।

चूंकि धर्मशास्त्रों में आत्मा या चेतना को शरीर की तरह नश्वर नहीं माना गया है, ऐसे में डॉक्टर सीन का ये दावा विवाद खड़ा करने वाला है। आमतौर पर ये राय है कि आत्मा शरीर की मृत्यु के बाद भी रहती है। चाहे ये हिंदू धर्मशास्त्रों की बात हो या फिर ईसाई धार्मिक मान्यताएं, चेतना या आत्मा के बारे में यहां अलग राय है। डॉक्टर सीन का कहना है कि वे ईश्वर को न मानने जैसा कुछ भी नहीं कहते हैं लेकिन उनकी बातें अब तक की वैज्ञानिक मान्यताओं से भी काफी अलग है।

13 साल के बच्चे ने अकेले पका दिए 20 तरह के पकवान

कुकिंग एक कला है, जिसका मन कुकिंग में लग जाता है, वो अपना मूड तक ठीक करने के लिए कुकिंग का ही सहारा लेता है। कुकिंग जैसी आर्ट में काफी बैलेंस और हर चीज की मात्रा का ज्ञान जरुरी है लेकिन अगर 13 साल का कोई बच्चा इस आर्ट में महारत हासिल कर ले तो शायद ये उसके घरवालों के लिए ब्लेसिंग ही बन जाएगा। चीन के जहेजिआंग में रहने वाले 13 साल के एक बच्चे के अंदर शायद ऐसा ही टैलेंट कूटकर भरा हुआ है। इस बच्चे ने अपने स्कूल प्रॉजेक्ट में मिले काम को इतना सीरियस ले लिया कि घरवालों को एक अच्छा खासा डिनर नसीब हो गया। ओरिएंटल डेली की खबर के मुताबिक 13 साल के हुआंग यूटेंग को स्कूल टीचर ने प्रॉजेक्ट दिया था। इसमें उसे एक डिश बनाकर घर वालों को खिलाना था लेकिन जब हुआंग किचन से निकला तो उसने करीब 20 डिशेस बना डाली। इसके बाद मामला इंटरनेट पर डाइनिंग टेबल पर सजी डिशेस देखकर किसी को यकीन नहीं हुआ कि इसे 13 साल के बच्चे ने बनाया है। सोशल मीडिया पर बच्चे के टैलेंट की झलक उसकी मां ने लोगों के साथ शेयर की। इसमें टेबल पर 28 किस्म की डिशेस परोसी गई दिखाई दी। इसमें से 20 को खुद बच्चे ने बनाया था। बाकी आठ उसकी मां ने बनाई थी। जानकारी के मुताबिक हुआंग की मां एक रेस्त्रां चलाती है और बच्चे को कुकिंग का शौक अपनी मां को देखकर ही लगा। वो स्कूल की छुट्टियों में मां से ही खाना बनाना सीखता था। अब प्रोजेक्ट के बहाने उसने अपना पूरा टैलेंट दिखा दिया. अपनी बनाई डिशेस के वायरल होने पर हुआंग ने बताया कि उसे कुकिंग काफी पसंद है। हालांकि हुआंग के टैलेंट को दिखाते इस पोस्ट को काफी आलोचना का भी सामना करना पड़ा। कई लोगों ने 13 साल के बच्चे से कुकिंग करवाने के लिए उसे काफी भला-बुरा कहा। एक ने लिखा कि आखिर कोई मां अपने इतने छोटे बच्चे से कुकिंग कैसे करवा सकती है? लेकिन आलोचना के बाद महिला ने जवाब देते हुए कहा कि उसे अपने बच्चे के टैलेंट पर गर्व है।

रेलिंग तोड़कर हिंडन नहर में गिरी कार, तीन दोस्तों की मौत

» शादी समारोह से लौट रहे थे तीनों युवक, गाजियाबाद में हुआ हादसा

» पुलिस कर रही मामले की जांच-पड़ताल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के वसुंधरा में देर रात एक दर्दनाक हादसे में तीन दोस्तों की मौत हो गयी। गुरुवार देर रात एक तेज रफ्तार स्कोडा कार रेलिंग तोड़कर हिंडन नहर में जा गिरी। कार में तीन दोस्त सवार थे और हादसे में तीनों की मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है।

कार सवार युवक खोड़ा क्षेत्र से अपने दोस्त की बहन की शादी में एक बैंक्वेट हाल में आए थे। वह शादी से वापस लौट रहे थे और अचानक ये दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें तीन दोस्तों की नहर में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने तत्काल क्रेन और जेसीबी की मदद से गाड़ी को बाहर निकल कर तीनों के शव कब्जे में लिए। इसकी सूचना मिलने पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और घर में कोहराम मच गया। तीनों दोस्तों की पहचान सोनू पुत्र शंकर निवासी दीपक विहार खोड़ा कॉलोनी, देव गुप्ता पुत्र प्रदीप गुप्ता निवासी दीपक विहार और ललित पुत्र नरेश निवासी अलीगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक नगर द्वितीय ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि मृतकों के स्वजन को हादसे की सूचना दे दी गई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बताते हैं कि शादी कनावनी के रायल एंबिएंस बैंक्वेट हाल में थी। यह बैंक्वेट हाल घटना स्थल से चंद कदम की दूरी पर है। पुलिस जब कार को नहर से बाहर निकाल रही थी तो शादी में शामिल तमाम लोग मौके पर आ गए थे। उन लोगों ने ही युवकों को देखकर शिनाख्त की। वहीं, हादसे के बाद से जान गंवाने वालों के घरों में कोहराम मचा हुआ था। फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि इन तीनों की शादी हुई थी या नहीं, इसके साथ ही क्या तीनों में शराब भी पी रखी थी।

सीएम योगी के खिलाफ चेतना चुनावी मैदान में

» कांग्रेस ने जारी की 33 और प्रत्याशियों की लिस्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधान सभा चुनाव में सभी 403 सीट पर अकेले मैदान में उतरने वाली कांग्रेस ने गुरुवार को 33 प्रत्याशियों की एक और सूची जारी कर दी है। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ महिला प्रत्याशी को उतारा है। कांग्रेस की 33 प्रत्याशियों की जारी इस सूची में जारी 15 महिलाएं हैं।

कांग्रेस ने छठे तथा सातवें चरण के मतदान वाले क्षेत्रों के लिए प्रत्याशियों की एक सूची जारी की है। सूची में कांग्रेस ने पांच ओबीसी, 11 ब्राह्मण, एक पंजाबी, पांच मुस्लिम, आठ एससी और तीन अन्य पर भरोसा जताया है। कांग्रेस ने सीएम योगी आदित्यनाथ के खिलाफ महिला प्रत्याशी को उतारा है। कांग्रेस की चेतना पाण्डेय अब गोरखपुर शहर में सीएम योगी आदित्यनाथ को चुनौती देंगी। छठें चरण में तीन मार्च को मतदान होगा। इस चरण में दस जिलों के 57 विधान सभा क्षेत्र में मतदान होगा। सातवें चरण में सात मार्च को नौ जिला के 54 विधान सभा क्षेत्र में पोलिंग होगी। कांग्रेस ने गोरखपुर ग्रामीण सीट से से देवेन्द्र निषाद और कुशीनगर से श्याम रति देवी को अपना प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस ने वाराणसी उत्तर से गुलराना तबस्सुम, वाराणसी दक्षिण से मुदिता कपूर, वाराणसी कैंट से राजेश मिश्रा तथा सेवापुरी से अंजू सिंह को प्रत्याशी बनाया है। भदोही से वसीम अंसारी और ज्ञानपुर से सुरेश मिश्रा प्रत्याशी होंगे। पार्टी ने औराई से संजू कन्नौजिया, मझवां से शिव शंकर चौबे, चुनार से सीमा देवी और रॉबर्ट्सगंज से कमलेश ओझा को अपना प्रत्याशी बनाया है।

पारिवारिक विवाद में महिला की हत्या से सनसनी

» रायबरेली में जेठ ने बहू को मार दी गोली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रायबरेली शहर के शक्तिनगर मुहल्ले में पारिवारिक विवाद के दौरान जेठ ने बहू को गोली मार दी। जिला अस्पताल पहुंचने से पहले ही महिला ने दम तोड़ दिया। पुलिस मामले की तहकीकात में जुटी है।

मुहल्ले में दो सगे भाई जीतेंद्र और सुरेंद्र एक साथ रहते हैं। उनके बीच विवाद चल रहा है। गुरुवार की रात सुरेंद्र अपनी पत्नी गुड्डन के साथ बाजार से लौट रहा था। रेलवे लाइन के पास उनका सामना जितेंद्र से हो गया। दोनों झगड़ा होने लगा। बीच बचाव करने सुरेंद्र की पत्नी गुड्डन आ गई। आवेश में आकर उसके जेठ जितेंद्र ने उसी की कनपटी पर पिस्टल से फायर कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गयी।

दुधवा राष्ट्रीय उद्यान के वन्यजीवों से किसान परेशान

» फेंसिंग लाइन खराब होने से खेत तक पहुंच रहे वन्यजीव

» अधिवक्ता मोहम्मद हैदर ने समाधान को लिखा फील्ड डायरेक्टर को पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सामाजिक कार्यकर्ता और वरिष्ठ अधिवक्ता मोहम्मद हैदर ने दुधवा राष्ट्रीय उद्यान लखीमपुर खीरी के फील्ड डायरेक्टर को पत्र लिखकर उद्यान से सटे गांवों में वन रक्षा के लिए लगी विद्युत फेंसिंग के तारों में विद्युत करंट न होने और तारों के टूटने के कारण वन्यजीवों द्वारा किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाने की समस्या पर ध्यान दिलाते हुए इसे दुरुस्त कराने की मांग की है।

मोहम्मद हैदर ने अपने पत्र में लिखा है कि दुधवा राष्ट्रीय उद्यान की सलूकापुर रेंज से लगे चौखड़ा मार्ग, भगवंतनगर पलिया तहसील के कृषक वन्यजीवों द्वारा हो रहे फसलों के नुकसान से परेशान हैं। दरअसल, पिछले तीन माह से जंगल की रक्षा में लगायी गयी फेंसिंग जगह-जगह क्षतिग्रस्त हो गयी है, इसके कारण वन्यजीव खेतों तक पहुंच रहे हैं और फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वहीं शिकारी तारों में करंट नहीं होने का फायदा उठा रहे हैं। इससे वन्यजीवों पर खतरा मंडरा रहा है। इस मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गयी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गयी। मोहम्मद हैदर ने इस मामले में जल्द से जल्द कार्रवाई करने की मांग की है।

आप की सरकार बनी तो सभी महिलाओं को देंगे एक हजार प्रति माह: केजरीवाल

» कांग्रेस और भाजपा ने प्रदेश को लूटा, हम बनाएंगे स्कूल, देंगे फ्री बिजली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि महंगाई से सबसे ज्यादा तकलीफ महिलाओं को होती है। महिलाएं ही घर चलाती है। प्रदेश में आप की सरकार बनने पर 18 साल से ऊपर की सभी महिलाओं को हर महीने एक-एक हजार रुपये दिए जाएंगे।

केजरीवाल ने उत्तराखंड की महिलाओं को जारी संदेश में कहा कि वर्तमान में महंगाई बहुत बढ़ गई है। जिससे महिलाओं को घर चलाना मुश्किल हो गया है लेकिन आप की सरकार बनने पर महिलाओं की इस तकलीफ का समाधान होगा। महिलाओं को उनके बैंक अकाउंट में हर महीने हजार रुपये डाले जाएंगे जिससे उन्हें छोटे-छोटे खर्चों के लिए दिक्कत नहीं होगी। सरकार बनने पर बिजली भी फ्री करने के साथ बच्चों के लिए शानदार सरकारी स्कूल बनाएंगे। उनकी शिक्षा फ्री करेंगे। आपके परिवार का अच्छा और मुफ्त इलाज करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व भाजपा ने उत्तराखंड में दस साल राज किया। लेकिन लूट खसोट करने के सिवाय कुछ नहीं किया। आप एक नई पार्टी है। चुनाव मैदान में नए चेहरे, नई सोच, नए आइडिया का विकल्प लोगों के सामने हैं।

अमेठी में न कांग्रेस के गढ़ का पता है और न गढ़ वाले का: संजय

» कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा प्रत्याशी ने राहुल गांधी पर बोला हमला

» लोगों से मांगे वोट, कहा, भाजपा सरकार कर रही सबका विकास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। अमेठी विधान सभा से भाजपा प्रत्याशी और कभी राहुल-प्रियंका के खास रहे संजय सिंह ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। संजय सिंह ने कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान राहुल गांधी का नाम लिए बिना उन्हें निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि अमेठी में अब न कांग्रेस के गढ़ का पता है और न ही गढ़ वाले का। अमेठी की इसी जनता और कार्यकर्ताओं ने 2019 के लोक सभा चुनाव में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को ऐतिहासिक जीत दिलाई। इस बार भी जनता भाजपा को बड़ी जीत दिलाकर इतिहास रचेगी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे डा. संजय सिंह 2019 लोक सभा चुनाव के कुछ माह बाद भाजपा में शामिल हो गए थे। अब लंबे समय बाद वह फिर से अमेठी से भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। इससे पहले वह अमेठी से कई बार कांग्रेस से विधायक व मंत्री रहे। एक बार अमेठी से ही भाजपा के सांसद रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने अमेठी में 100 वर्ष पहले ही स्कूल, कॉलेज की नींव रखी, जहां आज भी तीस हजार से ज्यादा बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। हम अमेठी को विकास का हब बना देंगे। यहां कभी गुंडागर्दी नहीं होने देंगे। लोगों ने कहा कि आप आए खुशी हुई। हमने कहा कि आपसे ज्यादा खुशी हमें हुई। जब मैं पहली बार अमेठी के धरती पर खड़ा हुआ तो आपने एक लाख से ज्यादा मतों से विजयी बनाया, अब उससे कम नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा के अगुवा केंद्र में नरेंद्र मोदी हैं और प्रदेश में बुलडोजर वाले बाबा योगी आदित्यनाथ हैं। पीएम और सीएम मिलकर प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। अब यहां गुंडे, माफिया का राज नहीं चलता। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा का इतिहास अत्यंत गौरवशाली है। चाहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी रहे हों, वीर सावरकर हों या अटल जी रहे हों सभी ने पार्टी के लिए त्याग और तपस्या किया है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास बहुत बड़ी चीज है। आज पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व के ग्लोब में सेंट्रल पॉइंट पर है। भाजपा कभी अपने सिद्धांतों को नहीं छोड़ती है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि रीमा सिंह पत्नी संतोष कुमार सिंह ने एक प्लॉट रकबा 1200 वर्गफिट खसरा संख्या 336 ग्राम धावां परगना तहसील एवं जिला लखनऊ को पूर्व स्वामी रजनी चौधरी पुत्री राम किशोर चौधरी द्वारा मुख्तारेआम राम किशोर चौधरी पुत्र जगदीश प्रसाद चौधरी से क्रय किया है। जो पुस्तक संख्या 1 खण्ड -25069 पेज -41 से 58 क्रमांक 10420 पर उप-निबन्धक (द्वितीय) दिनांक 14.07.2021 को निबन्धित है उक्त मूल विक्रय विलेख का अन्तिम पृष्ठ जिस पर विक्रय विलेख का विवरण दर्ज होता है वर्णित पृष्ठ गुम हो गया है। क्रेता शुभम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा नं0-4 लखनऊ से गृह ऋण ले रहा है। यदि किसी व्यक्ति को कोई अपत्ति हो तो 07 दिन के अन्दर निम्न से सम्पर्क करें।

- मृगेंद्र बहादुर सिंह
अधिवक्ता, शुभम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
मो0 -9415542801, 6394317537
आफिस/निवास- ईडब्लूएस-209 - 210 सेक्टर-जी, जानकीपुरम, लखनऊ ।

कैराना में बिना नंबर प्लेट की गाड़ी में मिली ईवीएम, जांच के आदेश

» लापरवाही को लेकर जोनल मजिस्ट्रेट के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पहले चरण का मतदान खत्म होने के बाद सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियो वायरल है, जिससे यूपी सरकार संदेह के घेरे में आ गई है। दरअसल, कैराना में कल रात एक गाड़ी में ईवीएम मशीन मिलने के बाद जमकर हंगामा हुआ। मौके पर सपा प्रत्याशी नाहिद हसन की बहन इकरा भी पहुंचीं और आपत्ति जाहिर की। दावा किया जा रहा है कि जिस गाड़ी में ईवीएम मशीन मिलीं, उसमें कोई नंबर प्लेट नहीं लगा था। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है।

अब डीएम शामली ने बताया है कि वह रिजर्व ईवीएम थी। फिलहाल जांच होगी। उन्होंने यह भी कहा है कि गाड़ी बिना नंबर प्लेट नहीं थी। इस पूरे मामले में लापरवाही बरतने को लेकर जोनल मजिस्ट्रेट के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की गई है। शामली की डीएम जसजीत कौर ने कहा शामली में मतदान के दिन ईवीएम मशीन से संबंधित एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुई है। इसके संबंध में अवगत कराना है कि कैराना क्षेत्र के एक जोनल मजिस्ट्रेट की गाड़ी में एक रिजर्व ईवीएम मशीन रखी हुई थी। उनका ड्राइवर खाना खाने के लिए कलेक्शन पॉइंट के पास रेस्टोरेंट में चला गया था। रिजर्व मशीन गाड़ी के अंदर दिख रही थी, जिसको कुछ लोगों ने देखा और वहां मीडिया आ गई। तुरंत इसका संज्ञान लेकर एसडीएम और पुलिस क्षेत्राधिकारी को मौके पर भेजा गया। जोनल मजिस्ट्रेट की गाड़ी नंबर प्लेट के बिना नहीं थी और गाड़ी पर नंबर व जोनल मजिस्ट्रेट की डिटेल चस्पा थी। उधर समाजवादी पार्टी ने ट्वीट किया कि बेहद गंभीर बात है। इस घटना की जांच कर चुनाव आयोग यह स्पष्ट करे कि मतदान निष्पक्ष हुआ है। लोकतंत्र में विपक्ष के साथ इस तरह का भेदभाव और बर्ताव क्यों किया जा रहा है?

फोटो: 4पीएम

पुष्पांजलि लखनऊ। राजधानी लखनऊ के चारबाग स्थित पंडित दीनदयाल के निर्वाण दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उनके साथ कैबिनेट मंत्री ब्रजेश पाठक व मेयर संयुक्ता भाटिया भी मौजूद रही।

अतीक अहमद के शार्प शूटर खुलेआम घूम रहे सरकारी गनर लेकर

» प्रयागराज में चुनाव आचार संहिता का हो रहा उल्लंघन

अमित श्रीवास्तव

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने कार्यकाल में माफियाओं पर कार्यवाही किए जाने को लेकर भाजपा के पक्ष में घूम-घूम कर वोट करने की अपील कर रहे हैं लेकिन यूपी पुलिस व प्रशासन के अधिकारी द्वारा की गई इस कार्यवाही पर सवाल खड़ा कर दिया है। गुजरात जेल में बंद माफिया अतीक अहमद के सबसे शार्प शूटर आबिद प्रधान व उसके दामाद मोहम्मद जैद खालिद समेत 25 लोगों का जलवा अभी भी कायम है, सभी सरकारी गनर लेकर खुलेआम घूम रहे है।

इन सभी लोगों से चुनाव आचार संहिता लागू हो जाने के बावजूद गनर वापस नहीं लिया गया है, जिससे निष्पक्ष चुनाव किए जाने को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। बता दें कि आबिद प्रधान पर 36 से ज्यादा मुकदमे है और वही जैद खालिद पर 10 से अधिक गंभीर धाराओं में आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। बता दें कि आदर्श आचार संहिता लागू हो जाने के बाद पुलिस ने अभी तक दो दर्जन से अधिक लोगों के गनर वापस कर लिया है लेकिन अतीक अहमद के गुर्गे समेत 25 लोगों अभी भी सरकारी गनर लेकर खुलेआम घूम रहे हैं और आशंका है कि प्रयागराज जिले में 27 फरवरी को होने वाली वोटिंग में गड़बड़ी कर सकते हैं। इन सभी पर बड़े अधिकारी व मंत्रियो का हाथ है। जब इस मामले पर जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार खत्री से बात कि गई तो उन्होंने बताया कि जैद को शासन के आदेश पर सुरक्षा दी गई है। गौरतलब है कि अतीक अहमद के सबसे खास शार्प शूटर आबिद प्रधान व उसके दामाद को सरकारी गनर देने के मामले को 4पीएम ने प्रमुखता से उठाया था, जिसकी गूंज योगी आदित्यनाथ तक पहुंच गई तो मुख्यमंत्री ने तत्काल गनर वापस लेने व गुण्डा एक्ट व हिस्ट्रीशीट खोलने व जिला बदर करने का आदेश दिया था।

अपराधियों और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ की कार्रवाई : राजेश्वर

» जनता से भाजपा को वोट देने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सरोजनीनगर विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी राजेश्वर सिंह ने कहा कि उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय में रहते हुए अपराधियों और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई की। अवैध तरीके से लूटी गई करोड़ों रुपए की सम्पत्ति जब्त कराई। उन्होंने कहा कि नौकरी में रहते हुए एहसास हुआ कि सरकार में रहकर इन अपराधियों के खिलाफ सख्त कानून होना चाहिए। ताकि दोबारा कानून के साथ खेल न सके।

उन्होंने जनता से भाजपा को वोट देने की अपील की। बोले भाजपा सत्ता में आएगी तो ही अपराधियों पर लगाम कसी जा सकेगी। वहीं उन्नाव से भाजपा सांसद हरि सच्चिदानन्द साक्षी ने सरोजनीनगर में पार्टी के उम्मीदवार राजेश्वर सिंह के लिए वोट मांगा। सांसद साक्षी महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री है लेकिन नेता पूरे विश्व के है। मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार आने वाले समय में जनसंख्या नियंत्रण और समान आचार संहिता कानून बनाएगी। जनसंख्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी चिन्तित है। उन्होंने कहा कि इस देश में अब चार बीवी, 40 बच्चे नहीं चलेगा। साक्षी महाराज ने कहा कि राजेश्वर सिंह के परिवार के कई सदस्य प्रशासनिक सेवा में हैं।

फोटो :4 पीएम

ओमप्रकाश राजभर ने जहूराबाद से भरा पर्चा विधानसभा चुनाव 2022 के लिए गाजीपुर जिले के जहूराबाद विधानसभा सीट से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी गठबंधन के प्रत्याशी ओमप्रकाश राजभर ने आज अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान काफी संख्या में उनके समर्थक भी मौके पर मौजूद रहे। नामांकन दाखिल करने के दौरान ओमप्रकाश राजभर के दो समर्थक सुरेंद्र राजभर और जयनाथ राजभर बतौर प्रस्तावक मौजूद रहे।

लखीमपुर में पीएम मोदी की रैली 20 को, प्रियंका ने घेरा

» केंद्रीय गृह राज्यमंत्री के बेटे आशीष मिश्रा को जमानत देने पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 फरवरी को लखीमपुर में रैली संबोधित करेंगे। इसके पहले प्रधानमंत्री मोदी 16 फरवरी को सीतापुर में रैली कर भाजपा के पक्ष में माहौल बनाएंगे। अक्टूबर में हुए लखीमपुर खीरी कांड के बाद यह पहला मौका होगा जब प्रधानमंत्री इस क्षेत्र में कोई रैली करेंगे। लखीमपुर कांड के आरोपी केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा को जमानत मिल गई है।

ऐसे में पीएम मोदी विपक्ष के निशाने पर आ गए हैं। कांग्रेस महासचिव ने पीएम मोदी की रैली पर सवाल उठाए हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा ने मोदी सरकार द्वारा केंद्रीय राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी का इस्तीफा नहीं लिए जाने पर जमकर बरसीं। साथ ही उन्होंने टेनी के बेटे आशीष मिश्र को मिली जमानत को लेकर भी घेरा। उन्होंने एक जनसभा में आज कहा कि इनके मंत्री के पुत्र ने छह किसानों को कुचला, क्या उसने अपना इस्तीफा दिया। अगर प्रधानमंत्री नेक और अच्छे हैं, तो किसानों को कुचलने वाले के मंत्री पिता का इस्तीफा क्यों नहीं मांगा? आज उसको (आशीष मिश्र) जमानत मिल गई, अब वो खुला घूमेगा। इस सरकार ने किसको बचाया, किसानों के परिवारों को बचाया? उनकी पुलिस थी, प्रशासन था, कहां थे वे सब जब उनको कुचला गया? और अब पीएम मोदी वहां कि किसानों से अपना दर्द बांटने जा रहे जबकि उनको तो टेनी से इस्तीफा ले लेना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।